एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य
2021-22

एम.ए. लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए

जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–11 : राज्य समाज और लोक प्रशासन

एम.पी.ए.–12 : प्रशासनिक सिद्धांत

एम.पी.ए.–13 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन

एम.पी.ए.–14 : मानव संसाधन प्रबंधन

लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

सत्रीय कार्य
2021-2022

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2021 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2022**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2022 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2022**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.-011: राज्य, समाज और लोक प्रशासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-011
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-011
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. राज्य के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। 20
2. नव–उदारतावाद के उद्‌भव का पता लगाइए। 20
3. चिल्का आंदोलन के विशेष संदर्भ में लोगों के संघर्ष के महत्व की व्याख्या कीजिए। 20
4. लोक प्रशासन में सामाजिक समानता की अवधारणा तथा भूमिका का वर्णन कीजिए। 20
5. लोक प्रशासन व विकास की ओर जेन्डर संवेदनशीलता के दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए। 20

भाग – II

6. भारत में नौकरशाही की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20
7. लोक प्रशासन पर वैश्विकरण के प्रभाव पर एक टिप्पणी लिखिए। 20
8. भारतीय संदर्भ में सुशासन की कार्यनीतियों को उजागर कीजिए। 20
9. राज्य, बाजार और नागरिक समाज के बीच संबंध की चर्चा कीजिए। 20
10. सूक्ष्म स्तर पर संघर्ष प्रबंधन का परीक्षण कीजिए। 20

एम.पी.ए.-012: प्रशासनिक सिद्धांत
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-012
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-012
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. लोक प्रशासन के अर्थ, स्वरूप और कार्यक्षेत्र की चर्चा कीजिए। **20**
2. ''आधुनिक प्रबंधन तकनीके एफ.डब्ल्यू. टेलर के वैज्ञानिक प्रबंधन का विस्तार है।'' स्पष्ट कीजिए। **20**
3. प्रशासन के सामान्य सिद्धांतों का विस्तृत वर्णन कीजिए। **20**
4. मानवीय संबंध दृष्टिकोण के अविर्भाव और महत्व की व्याख्या कीजिए। **20**
5. क्लासिकी सिद्धांत पर हर्बर्ट साइमन के विचार और उसके साथ ही उनकी परिबद्ध तर्कसंगति की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **20**

भाग – II

6. फ्रेडेरिक हर्जबर्ग के अभिप्रेरण स्वच्छता सिद्धांत का परीक्षण कीजिए। **20**
7. 'चेस्टर बर्नार्ड ने संगठनों के अध्ययन में एक नये आयाम को सम्मिलित किया' चर्चा कीजिए। **20**
8. लोक चयन उपागम की अवधारण और विशेषताओं की चर्चा कीजिए। **20**
9. लोक प्रशासन के समीक्षणत्मक सिद्धांत की विशेषताओं और प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। **20**
10. नये सार्वजनिक प्रबंधन दृष्टिकोण की उत्पत्ति का पता लगाइए। **20**

एम.पी.ए.-013: सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-013
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-013
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. नौकरशाही व्यवस्था और सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन के बीच भिन्नता को उजागर कीजिए। 20
2. भारत में किन्हीं चार संवैधानिक प्राधिकरणों की चर्चा कीजिए, जो सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 20
3. सार्वजनिक प्रणाली के परिवेश को प्रभावित करने वाले विभिन्न सामाजिक कारकों का परीक्षण कीजिए। 20
4. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में नई प्रौद्योगिकियों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 20
5. शासन व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

भाग – II

6. बजट के महत्वपूर्ण उपागमों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। 20
7. संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांतों एवं तकनीकों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20
8. प्रबंधन सूचना प्रणाली के उद्‌भव का पता लगाइए तथा उसकी संरचना का परीक्षण कीजिए। 20
9. कार्य मापन की अवधारणा, उद्देश्यों तथा मूलभूत तत्वों की चर्चा कीजिए। 20
10. परिवर्तन प्रबंधन के सैद्धांतिक आधार तथा प्रारूप का परीक्षण कीजिए। 20

एम.पी.ए.-014: मानव संसाधन प्रबंधन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-014
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-014
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. मानव संसाधन प्रबंधन को परिभाषित कीजिए तथा उसके कठोर और विनम्र पक्षों का विश्लेषण कीजिए। **20**
2. जनशक्ति नियोजन की आवश्यकताओं एवं प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। **20**
3. कार्य संवृद्धि तथा कार्य अभिवृद्धि के अर्थ तथा महत्व का वर्णन कीजिए। **20**
4. भर्ती के विभिन्न चरणों को उजागर कीजिए। **20**
5. पुनः तैनाती को परिभाषित कीजिए तथा उसके निर्देशक सिद्धांतों एवं महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर कीजिए। **20**

भाग – II

6. अधिगम तथा विकास को परिभाषित कीजिए तथा अधिगम की प्रक्रिया के महत्वपूर्ण तत्वों की चर्चा कीजिए। **20**
7. 'प्रबंधन विकास के दृष्टिकोण के विभिन्न तरीके हैं।' चर्चा कीजिए। **20**
8. स्वास्थ्य और सुरक्षा को परिभाषित कीजिए तथा कम्प्यूटर संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के उपाय सुझाइये। **20**
9. प्रबंधन में कार्यकर्त्ता की भागीदारी की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। **20**
10. शिकायत को परिभाषित कीजिए तथा उसके निवारण के विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालिए। **20**